03

पद-परिचय

वर्णों का सार्थक समूह 'शब्द' कहलाता है, किंतु जब उन्हीं शब्दों को विभक्तियों के साथ वाक्य में प्रयुक्त किया जाता है, तब वे शब्द 'पद' कहलाते हैं। शब्द के उदाहरण

- राम
- पुस्तक
- बच्चे

पद के उदाहरण

- राम पढ़ता है।
- उसने नई पुस्तक खरीदी।
- बच्चे खेल रहे हैं।

पद-परिचय से अभिप्राय

पद-परिचय से तात्पर्य है—पदों का विश्लेषण। वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय ही **पद-परिचय** कहलाता है। अन्य शब्दों के साथ किसी वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक अथवा विस्मयादिबोधक आदि शब्दों का जिस रूप में प्रयोग हुआ है, उन्हें स्पष्ट करना ही पद-परिचय है। किसी पद का परिचय देने के लिए उस शब्द अथवा पद का भेद, उपभेद, लिंग, वचन, कारक, कर्ता आदि के संबंध का परिचय दिया जाता है।

पद-परिचय करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है

- प्रत्येक पद को अलग-अलग करना चाहिए।
- प्रत्येक पद का प्रकार बताना चाहिए।
- वाक्य में उसका दूसरे पदों से संबंध बताना चाहिए।
- वाक्य में उसका कार्य बताना चाहिए।

पद-परिचय के भेदों का उदाहरण सहित विवरण

1. **संज्ञा** भेद (जातिवाचक, व्यक्तिवाचक एवं भाववाचक) लिंग, वचन, कारक, क्रिया तथा अन्य शब्दों से उसका संबंध।

   उदाहरण गौरव हास्य की एक पुस्तक पढ़ता है।

   गौरव व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

   हास्य की भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक

   पुस्तक जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

2. **सर्वनाम** भेद (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक एवं निजवाचक) लिंग, वचन, कारक या अन्य शब्दों से उसका संबंध।

   उदाहरण मैं तुमसे कुछ पूछूँगा।

   मैं पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

   तुमसे पुरुषवाचक सर्वनाम (मध्यम पुरुष), स्त्रीलिंग-पुल्लिग दोनों लिंगों में संभव, एकवचन, करण कारक

   कुछ अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

3. **विशेषण** भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक एवं सार्वनामिक) लिंग, वचन, कारक, विशेषणानुसार विशेष्य।

   उदाहरण मेरे बगीचे में दो नीले फूल हैं।

   दो संख्यावाचक विशेषण (निश्चित), 'फूल' विशेष्य

   नीले गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग

4. **क्रिया** भेद (अकर्मक एवं सकर्मक) धातु, वाच्य, काल (भूतकाल, वर्तमानकाल एवं भविष्यत् काल—उपभेद सहित) लिंग, वचन, कर्ता, कर्म आदि से संबंध।

   उदाहरण जब वह स्टेशन पहुँचा, तब गाड़ी चल रही थी।

   पहुँचा अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन, कर्तृवाच्य

   चल रही थी सकर्मक क्रिया, अपूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य (संयुक्त क्रिया भी)

5. **क्रियाविशेषण** भेद (स्थानवाचक, कालवाचक, रीतिवाचक एवं परिमाणवाचक) उस क्रिया का निर्देश, जिसकी विशेषता बताई जा रही है।

   उदाहरण जब खाओ, कम बोलो।

   जब कालवाचक क्रियाविशेषण 'खाओ' क्रिया का विशेषण

   कम परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 'बोलो' क्रिया का विशेषण

6. **संबंधबोधक** जिन पदों अथवा उपवाक्यों का संबंध बताया जा रहा है।

   उदाहरण वह खुशी के मारे चीख पड़ा।

   के मारे कारणवाचक संबंधबोधक अव्यय (संबंधी शब्द 'खुशी')

7. **समुच्चयबोधक** भेद (संयोजक एवं विभाजक) जोड़ने वाले शब्दों अथवा वाक्यों का निर्देश।

   उदाहरण वह आया और मैं चला गया।

   और समुच्चयबोधक, समानाधिकरण

8. **विस्मयादिबोधक** भाव (हर्ष, शोक, घृणा, भय, विस्मय, क्रोध आदि) जिस किसी को भी प्रकट कर रहा है, उसका निर्देश।

   उदाहरण अहा! कितना सुंदर दृश्य है।

   अहा! विस्मयादिबोधक (हर्षसूचक)

9. **निपात** (स्वीकृतिबोधक, नकारबोधक, निषेधात्मक, प्रश्नबोधक, विस्मयादिबोधक, तुलनाबोधक, अवधारणा-बोधक, आदरबोधक, बलप्रदायक) इनके प्रयोग से वाक्य का समग्र (संपूर्ण/पूरा) अर्थ प्रभावित होता है।

   उदाहरण सुरेश ने ही मुझे मारा।

   ही निपात (बलप्रदायक)

प्रयोग की विशिष्टता के कारण पद-परिचय में भिन्नता

एक ही शब्द को अनेक रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है। वाक्य में प्रयोग के आधार पर उस शब्द का पद-परिचय भी परिवर्तित हो जाता है।

ऐसे ही शब्दों के कुछ उदाहरण निम्नवत् हैं

ऐसा/ऐसे ऐसे व्यक्ति को कौन पसंद करेगा? *(सर्वनाम के रूप में)*

ऐसा भी संभव है। *(संज्ञा के रूप में)*

ऐसे ईमानदार बहुत कम हैं। *(विशेषण के रूप में)*

वैसे नहीं, ऐसे बोलो। *(क्रियाविशेषण के रूप में)*

कुछ चाय में कुछ गिरा है। *(सर्वनाम के रूप में)*

कुछ होशियार हैं, कुछ बुद्धू हैं। *(संज्ञा के रूप में)*

मैंने बहुत कुछ पढ़ा है। *(क्रियाविशेषण के रूप में)*

कुछ बच्चे अभी तक खेल रहे हैं। *(विशेषण के रूप में)*

एक एक ने यह दिया। *(सर्वनाम के रूप में)*

एक केला मुझे भी चाहिए। *(विशेषण के रूप में)*

आज 'आज' उत्तर प्रदेश का एक समाचार-पत्र है। *(संज्ञा के रूप में)*

क्रिकेट मैच आज होगा। *(क्रियाविशेषण के रूप में)*

वह वह मेरी बहन है। *(सर्वनाम के रूप में)*

वह लड़की मेरी बहन है। *(सार्वनामिक विशेषण के रूप में)*

यह यह मेरा कमरा है। *(सर्वनाम के रूप में)*

यह कमरा मेरा है। *(सार्वनामिक विशेषण के रूप में)*

अच्छा अच्छों के साथ रहा करो। *(संज्ञा के रूप में)*

मीरा अच्छी लड़की है। *(विशेषण के रूप में)*

सचिन अच्छा खेलता है। *(क्रियाविशेषण के रूप में)*

कोई कोई तुम्हें पूछ रहा है। *(सर्वनाम के रूप में)*

कोई लड़का उठकर चला जाए। *(विशेषण के रूप में)*

आप आप इधर आएँ। *(मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम के रूप में)*

आप एक प्रसिद्ध लेखक भी थे। *(अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम के रूप में)*

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'वेद व्यास जी ने महाभारत लिखी' रेखांकित पद का परिचय है

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

2. 'उसके बगीचे में पीले फूल हैं' रेखांकित पद का परिचय है

(क) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, फूल विशेष्य
(ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, फूल विशेष्य
(ग) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग, फूल विशेष्य
(घ) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग, फूल विशेष्य

3. 'कछुआ धीरे-धीरे चलता है' रेखांकित पद का परिचय है

(क) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(ख) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(ग) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(घ) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता

4. 'वाल्मीकि जी ने रामायण लिखी' रेखांकित पद का परिचय है

(क) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य
(ख) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, सामान्य भूतकाल, कर्मवाच्य
(ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य
(घ) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, सामान्य भूतकाल, कर्मवाच्य

5. 'वह नित्य घूमने जाता है।' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता
(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता
(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता
(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

6. 'तालाब में कमल खिलते हैं।' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*

(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

7. 'रंग-बिरंगे फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया।' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*

(क) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

8. 'प्रधानाचार्य ने आपको बुलाया है।' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

9. 'मेरा भाई यहाँ नहीं है' रेखांकित पद का परिचय है

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक
(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

(ग) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक

10. 'उसने बंदूक से शेर को मार दिया' रेखांकित पद का परिचय है
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अपादान कारक
(ख) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, संप्रदान कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक

11. 'वह मेरे सामने रहता है' रेखांकित पद का परिचय है
(क) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'मेरे'
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय, समानाधिकरण
(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षबोधक
(घ) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'वह'

12. 'हम पार्क में गए परंतु वहाँ कोई बच्चा न मिला' रेखांकित पद का परिचय है
(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, कर्म कारक, गए क्रिया का कर्ता
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक पुल्लिग, गए क्रिया का कर्ता
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक, पुल्लिग, गए क्रिया का कर्ता
(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन. कर्ता कारक, पुल्लिग, गए क्रिया का कर्ता

13. 'कृष्ण की सुंदर आकृति सबको मोह लेती है' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य 'आकृति'
(ख) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, संबंध कारक
(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग, संबंध कारक

14. 'मेरे देखने के बाद चोर और तेज भागने लगा' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, संबंध बोधक अव्यय
(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, संबंध बोधक अव्यय
(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

15. 'मुझे आपसे मिलना है ताकि इस विषय पर आपसे विचार-विमर्श कर सकूँ' रेखांकित पद का परिचय है
(क) समुच्चयबोधक अव्यय, समानाधिकरण
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय, व्याधिकरण
(ग) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'मिलना'
(घ) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'मुझे'

16. 'राजू को दही खाना बहुत पसंद है' रेखांकित पद का परिचय है
(क) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन कर्म कारक

17. 'जीवन में हमेशा उन्नति के पथ पर अग्रसर रहो' रेखांकित पद का परिचय है
(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक
(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक

18. 'गुजरात में बहुत भयानक भूकंप आया था' रेखांकित पद का परिचय है
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

19. 'भगत ने अपनी पतोहू को उसके भाई के साथ विदा किया' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंधबोधक अव्यय
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, करण कारक

20. 'अपना काम स्वयं करना चाहिए' रेखांकित पद का परिचय है
(क) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग/स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक
(ग) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक

Join @booksforcbse for more.
WWW.JEEBOOKS.IN

21. 'दरवाजे पर कोई है' रेखांकित पद का परिचय है
(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, कर्ता कारक

22. 'आज बाजार से चार मीटर कपड़ा खरीद लाना' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'कपड़ा' विशेष्य
(ख) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कपड़ा' विशेष
(ग) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'कपड़ा' विशेष्य
(घ) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कपड़ा' विशेष्य

23. 'तीसरी बार फिर से नया चश्मा था' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, चश्मा, विशेष्य
(ख) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'विद्यार्थी' विशेष्य
(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'विद्यार्थी' विशेष्य
(घ) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'विद्यार्थी' विशेष्य

24. 'उसने यह पत्र राज से लिखवाया' रेखांकित पद का परिचय है
(क) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(ख) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य
(ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्मवाच्य

25. 'तालाब में कमल खिलते हैं' रेखांकित पद का परिचय है
(क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य
(ख) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
(ग) अकर्म क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, सामान्य भूतकाल, कर्मवाच्य
(घ) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, सामान्य भूतकाल, कर्मवाच्य

26. 'मोहन थककर लेट गया' रेखांकित पद का परिचय है
(क) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य
(ख) विशेषण, 'नवाब साहब' की विशेषता
(ग) क्रिया-विशेषण, पुल्लिंग एकवचन, 'लेटना' क्रिया का विशेषण
(घ) पूर्वकालिक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

27. 'मेरी बात सुनते ही वह बहुत लजा गया' रेखांकित पद का परिचय है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) नामधातु क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल
(ख) नामधातु क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल
(ग) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल
(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल

28. 'तुम मेरे पास परसों आना' रेखांकित पद का परिचय है
(क) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता
(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता
(ग) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता
(घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

29. उसने उस भारी चट्टान को सहसा उठा लिया' रेखांकित पद का परिचय है
(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'उठा लिया' क्रिया की विशेषता
(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'उठा लिया' क्रिया की विशेषता
(ग) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'उठा लिया' क्रिया की विशेषता
(घ) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'उठा लिया' क्रिया की विशेषता

30. 'वह आजकल घर पर ही रहता है' रेखांकित पद का परिचय है
(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता
(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता
(ग) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता
(घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता है' क्रिया की विशेषता

31. 'हनुमान जी ने सभी कार्य श्रीराम <u>के निमित्त</u> किए' रेखांकित पद का परिचय है
(क) विरोधवाचक संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'श्रीराम'
(ख) दिशावाचक संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'श्रीराम'
(ग) कारणवाचक संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'श्रीराम'
(घ) साधनवाचक संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'श्रीराम'

32. 'तुम हरि के घर आ जाना <u>परंतु</u> उससे दूर ही रहना' रेखांकित पद का परिचय है
(क) समुच्चयबोधक अव्यय, समानाधिकरण
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय, व्याधिकरण
(ग) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'हरि'
(घ) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'उससे'

33. 'राजू आज विद्यालय नहीं गया, <u>क्योंकि</u> वह बीमार था' रेखांकित पद का परिचय है
(क) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'वह'
(ख) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'बीमार'
(ग) समुच्चयबोधक अव्यय, व्याधिकरण
(घ) समुच्चयबोधक अव्यय, समानाधिकरण

34. '<u>वाह!</u> हम उत्तीर्ण हो गए' रेखांकित पद का परिचय है
(क) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकबोधक
(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षबोधक
(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, आश्चर्यबोधक
(घ) विस्मयादिबोधक अव्यय, क्रोधबोधक

35. '<u>राम-राम!</u> कितना निर्लज्ज व्यक्ति है'? रेखांकित पद का परिचय है
(क) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकबोधक
(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय, व्यथाबोधक
(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, क्रोधबोधक
(घ) विस्मयादिबोधक अव्यय, तिरस्कारबोधक

36. 'यह पुस्तक उसे <u>मत</u> दो' रेखांकित पद का परिचय है
(क) निपात, निषेधात्मक (ख) निपात, नकारात्मक
(ग) निपात, तुलनाबोधक (घ) निपात, प्रश्नबोधक

37. 'इस व्यक्ति का सिर बेड़ौल-<u>सा</u> है' रेखांकित पद का परिचय है
(क) निपात, अवधारणबोधक (ख) निपात, निषेधात्मक
(ग) निपात, तुलनाबोधक (घ) निपात, प्रश्नबोधक

उत्तरमाला

1. (ख)	2. (ग)	3. (घ)	4. (क)	5. (घ)	6. (ख)	7. (ख)	8. (ग)	9. (क)	10. (ग)
11. (क)	12. (ख)	13. (क)	14. (ख)	15. (ख)	16. (घ)	17. (ख)	18. (ख)	19. (ग)	20. (क)
21. (घ)	22. (क)	23. (क)	24. (ख)	25. (ख)	26. (ग)	27. (क)	28. (क)	29. (ख)	30. (ख)
31. (ग)	32. (क)	33. (ग)	34. (ख)	35. (घ)	36. (क)	37. (ग)			